1080521 - C2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X

कक्षा - X

HINDI हिन्दी

(Course B)

(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : 3 घंटे] [अधिकतम अंक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 12 हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अविध के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश:

- (i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं क, ख, ग और घ।
- (ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

1 P.T.O.

खंड 'क'

1. अपठित गद्यांश -

भारतीय दर्शन सिखाता है कि जीवन का एक आशय और लक्ष्य है। उस आशय की खोज हमारा दायित्व है और अन्त में उस लक्ष्य को प्राप्तकर लेना हमारा विशेषाधिकार है। इस प्रकार दर्शन जो कि आशय को उद्घाटित करने की कोशिश करता है और जहाँ तक उसे इसमें सफलता मिलती है, वह इस लक्ष्य तक अग्रसर होने की प्रक्रिया है। कुल मिलाकर आखिर यह लक्ष्य क्या है ? इस अर्थ में यथार्थ की प्राप्ति वह है जिसमें पा लेना केवल जानना नहीं है, बल्कि उसी का अंश हो जाना है। इस उपलब्धि मे बाधा क्या हें ? कइ बाधाएँ है, पर इनमें प्रमुख है 'अज्ञान'। अशिक्षित आत्मा नहीं है यहाँ तक कि यथार्थ संसार भी नहीं है। यह दर्शन ही है जो उसे शिक्षित करता है और अपनी शिक्षा से उसे अज्ञान से मुक्ति दिलाता है, जो यथार्थ दर्शन नहीं होने देता। इस प्रकार एक दार्शनिक होना बौद्धिक अनुगमन करना नहीं है,बल्कि एक शिक्तिप्रद अनुशासन पर चलना है, क्योंकि सत्य की खोज मे लगे हुए सही दार्शनिक को अपने जीवन को इस प्रकार आचिरत करना पड़ता है कि तािक उस यथार्थ से एकाकार हो जाए जिसे वह खोज रहा है। वास्तव में, यही जीवन का एक मात्र सही मार्ग है और सभी दार्शनिकों को इसका पालन करना होता है और दार्शनिक ही नहीं बल्कि सभी मनुष्यों को क्योंकि सभी मनुष्यों के दाियत्व और निर्यात एक ही है।

(क)	इस ग	द्यांश का उचित शीर्षक है -			1
	(i)	जीवन दर्शन	(ii)	दार्शनिकता	
	(iii)	सत्य की खोज	(iv)	भारतीय दर्शन	
(碅)	अनुश	ासन शब्द में उपसर्ग का सही विकल्प है –			1
	(i)	अन + शासन	(ii)	अ + नुशासन	
	(iii)	अनु + शासन	(iv)	अनुशास + न	
(刊)	लक्ष्य	प्राप्त करनें में प्रमुख बाधा क्या है ?			1
	(i)	अशिक्षित होना	(ii)	ज्ञान का अभाव	
	(iii)	यथार्थ दर्शन	(iv)	अनुशासनहीनता	
(ঘ)	जीवन	का एकमात्र उद्देश्य क्या है ?			1
	(i)	एक शक्तिप्रद अनुशासन पर चलना	(ii)	बौद्धिक अनुगमन करना	
	(iii)	शिक्षित होना	(iv)	अज्ञान से मुक्त होना	
(ङ)	भारती	य दर्शन किस लक्ष्य की ओर संकेत करता	₹ ?		1
	(i)	यथार्थ की प्राप्ति कर लेना	(ii)	जीवन का एक आशय और लक्ष्य है	
	(iii)	यथार्थ के साथ एकाकर हो जाना	(iv)	शिक्षित हो जाना	

2. अपठित गद्यांश

वर्तमान समाज में नैतिक मूल्यों का विघटन चहुँ ओर दिखाई दे रहा है। विलास और भौतिकता के मद में भ्रांत लोग बेतहाशा धनोपार्जन की अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं। आज का मानव स्वार्थ परता में इस तरह आकंठ डूब चुका है कि उसे उचित – अनुचित, नीति – अनीति का भान नहीं हो रहा है। व्यक्ति विशेष की निजी स्वार्थ पूर्ती से समाज का कितना अहित हो रहा है। इसका शायद किसी को आभास नहीं है। आज के अभिभावक भी धनोपार्जन एवम भौतिकता के साधन जुटाने नें इतने लीन हैं कि उनके वात्सल्य का स्त्रोत ही उनके लाड़लों के लिए सुख गया है। उनकी इस उदासीनता में मासूम दिलों को गहरे तक चीर दिया है। आज का बालक अपने एकाकीपन की भरपाई या तो घर में दूरदर्शन केविल से प्रसारित अश्लील फूहड़ कार्यक्रमों से करता है अथवा कुसंगित में पड़कर जीवन का नाश करता है। समाज के इस संक्रांति काल में छात्र किन जीवन मूल्यों को सीख पाएगा यह कहना नितान्त कठिन है।

जब – जब समाज पथ भ्रष्ट हुआ है, तब – तब युग सर्जक की भूमिका का निर्वाह शिक्षकों नें बखूबी किया है। आज की दशा में भी जीवन मूल्यों की रक्षा का गुरुतर दायित्व शिक्षक पर ही आ जाता है। वर्तमान स्थित में जीवन मूल्यों के संस्थापन का भार शिक्षकों के ऊपर है, क्योंकि आज का परिवार बालक के लिए सद्गुणों की पाठशाला जैसी संस्था नहीं रह गया है जहाँ से बालक एक संतुलित व्यक्तित्व की शिक्षा पा सके। शिक्षक विद्यालय परिसर में छात्र के लिए आदर्श होता है।

(क)	जीवन	मूल्यों की स्थापना का भार किसपर आ गया है?			1
	(i)	हम पर	(ii)	समाज पर	
	(iii)	शिक्षकों पर	(iv)	अभिभावकों पर	
(碅)	संक्रा	न्त काल क्या होता है ?			1
	(i)	मध्यकाल	(ii)	संक्रमण काल	
	(iii)	परिवर्तन का दौर	(iv)	कठिनता का काल	
(ग)	लोग 1	किस दौड़ में शामिल हो गए है?			1
	(i)	धनोपार्जन	(ii)	विलासिता	
	(iii)	भौतिकता	(iv)	उपर्युक्त कोई नहीं	
(ঘ)	स्वार्थ	पूर्ति से क्या हो रहा है ?			1
	(i)	मूल्यों का उत्थान	(ii)	समाज का हित	
	(iii)	समाज का अहित	(iv)	नीति - अनीति	
(ङ)	वर्तमा	न समाज में क्या दिखाई दे रहा है?			1
	(i)	नैतिक मूल्य	(ii)	मूल्यों का विघटन	
	(iii)	नैतिकता	(iv)	उपर्युक्त सभी	

3. अपठित काव्यांश -

में बढ़ा ही जा रहा हूँ, पर तुम्हें भूला नहीं हूँ। चल रहा हूँ, क्योंकि चलने से थकावट दूर होती,

चाहता तो था कि रूक लूँ पार्श्व में क्षणभर तुम्हारे, किन्तु अगणित स्वर बुलातें हैं, मुझे बाँहे पसारे, अनसुनी करना उन्हें भारी प्रवंचन का पुरुषता, मुँह दिखाने योग्य रखेगी न मुझको स्वार्थपरता। इसलिए ही आज युग की देहली को लाँधकर मैं पथ नया अपना रहा हूँ पर तुम्हें भूला नहीं हूँ।

आज शोषक - शोषितों में हो गया जग का विभाजन अस्थियों की नींव पर अकड़ खड़ा प्रासाद का तन।

- (क) कवि कौन सा पथ अपना रहा है?
 - (i) विभाजन का

(ii) प्रवंचना का

1

1

1

1

1

(iii) नया पथ

- (iv) पुराना पथ
- (ख) जग का विभाजन किस किस में हो गया है?
 - (i) किसान मजदूर में

(ii) धनी - निर्धन में

(iii) शोषक - शोषित में

(iv) उपर्युक्त सभी में

(ग) शोषक कौन है?

(i)

(ii) किसान

(iii) पूँजी पति

(घ) कवि क्या चाहता था?

मजदूर

(iv) उपर्युक्त सभी

(---)

(ii)

(i) आगे बढना

.

(iii) बाँहे पसारना

(iv) प्रिय को भुलाना

- (ङ) किव क्यों चल रहा है?
 - (i) चलने से थकावट दूर होती है।
- (ii) वह आगे वढ़ना चाहता है।

प्रिय के पार्श्व में रूकना

- (iii) वह प्रिय को भूलना चाहता है।
- (iv) उपर्युक्त सभी

4. अपठित काव्यांश -

दो न्याय अगर तो आधा दो पर इसमें भी यदि बाधा हो। तो दे दो केवल पाँच गाँव रखो अपनी धरती तमाम। हम वहीं खुशी से खाएँगे, परिजन पर असि न उठाएँगे।

> दुर्योधन वह भी दे न सका, आशीष समाज की ले न सका उलटे हरि को बाँधने चला। जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।

<i>(</i> — <i>)</i>	-3	\sim	·>	
(क)	कान	किसको	बाधन	चला १

- (i) दु:शासन कृष्ण को
- (iii) कृष्ण दुर्योधन को
- (ख) विवेक पहले कब मर जाता है?
 - (i) जब व्यक्ति अहंग्रस्त हो जाता है।
 - (iii) जब नाश मनुष्य पर छा जाता है।
- (ग) असि शब्द का क्या अर्थ है?
 - (i) धनुष
 - (iii) तलवार
- (घ) यह बात कौन किससे कह रहा है?
 - (i) कृष्ण अर्जुन से
 - (iii) अर्जुन दुर्योधन से
- (ङ) केवल पाँच गाँव क्यों मांगे गए होंगे?
 - (i) पाँचों पांडवो के लिए
 - (iii) इतने ही गाँव उपलब्ध थे

(ii) दुर्योधन - कृष्ण को

- (iv) दुर्योधन अर्जुन को
- (ii) जब उसे कुछ नहीं सूझता।
- (iv) कोई अन्य कारण
- (ii) ढाल
- (iv) रथ
- (ii) कृष्ण दुर्योधन से
- (iv) कृष्ण युधिष्ठिर से
- (ii) इतने गाँव ही काफी थे
- (iv) कोई और बात थी

1080521 - C2 5 P.T.O.

1

1

1

_

1

1

खंड 'ख'

5.	(i)	निम्नलिखित में अविकारी शब्द है -		1
		(क) अव्यय	(ख) संबंध बोधक	
		(ग) समुच्चय बोधक	(घ) उपर्युक्त सभी	
	(ii)	<u>दशरथ पुत्र राम</u> बन को गए। रेखांकित को कहेंगें		1
		(क) शब्द	(ख) पद	
		(ग) पदबंध	(घ) वर्ण	
	(iii)	<u>सब ओर से मार खाए हुए तुम</u> संभल जाओ। रेखां	कित में पद बंध का भेद है -	1
		(क) संज्ञा	(ख) सर्वनाम	
		(ग) क्रिया	(घ) क्रिया विशेषण	
	(iv)	पतंग हवा में <u>उडती चली गई</u> । रेखांकित मे पदबंध	का भेद है -	1
		(क) विशेषण	(ख) क्रिया विशेषण	
		(ग) क्रिया	(घ) सर्वनाम	
6.	(i)	हम <u>बाग में</u> घुमने गए। रेखांकित का पद परिचय है	-	1
		(क) पुह्निंग, एक वचन, कर्मकारक		
		(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, अधिकरण व	ारक	
		(ग) विशेषण, सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग		
		(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं		
	(ii)	घर से भागकर आया हुआ लड़का पकड़ा गया। रे	ब्रांकित में पदबंध का भेद है –	1
		(क) संज्ञा	(ख) सर्वनाम	
		(ग) विशेषण	(घ) क्रिया	
	(iii)	बच्चा घर पहुँचा तो माँ को बड़ी खुशी हुई। रचना	के आधार पर वाक्य का भेद है -	1
		(क) सरल	(ख) संयुक्त	
		(ग) मिश्रित	(घ) उपर्युक्त कोई नहीं	
	(iv)	वहाँ जाना। जल्दी आ जाना। से मिलकर बना संर्	_{रु} क्त वाक्य है –	1
		(क) जल्दी आ जाना जाकर	(ख) जल्दी आ जाना वहाँ जाकर	
		(ग) वहाँ जाना और जल्दी आ जाना	(घ) सभी गलत है	

7.	(i)	रचना के आधार पर वाक्य के भेद होते हैं -			1
		(क) दो	(평)	तीन	
		(ग) चार	(ঘ)	पाँच	
	(ii)	निम्नलिखित वाक्यों में मिश्रित वाक्य है -			1
		(क) जहाँ कभी बंजर था वहाँ अब सुंदर उपवन	है।		
		(ख) उसने वैसा ही किया जैसे आपने बताया।			
		(ग) जो सोता है सो खोता है।			
		(घ) उपर्युक्त सभी			
	(iii)	मरणासन्न का संधिविच्छेद है -			1
		(क) मरण + आसन	(평)	मरणा + सन्न	
		(ग) मरण + आसन्न	(ঘ)	उपर्युक्त में से कोई नहीं	
	(iv)	आत्म + उत्सर्ग की सन्धि है -			1
		(क) आत्मात्सर्ग	(평)	आत्मोत्सर्ग	
		(ग) आत्मउत्सर्ग	(ঘ)	उपर्युक्त सभी	
8.	(i)	यथौचित्य में स्वर संधि का कौन सा भेद है?			1
		(क) दीर्घ	(평)	गुण	
		(ग) वृद्धि	(ঘ)	यण	
	(ii)	यज्ञशाला समस्त पद का विग्रह है -			1
		(क) यज्ञ और शाला	(ख)	यज्ञ की शाला	
		(ग) यज्ञ के लिए शाला	(ঘ)	उपर्युक्त सभी	

	(iii)	पाना सं चलनवाला चक्का, का समस्त पद हं –			1
		(क) पान चक्की	(평)	पानी चक्की	
		(ग) पनचक्की	(ঘ)	उपर्युक्त सभी	
	(iv)	निम्नलिखित में से समस्त पद में कर्मधारय समास	है?		1
		(क) विद्याधन	(평)	नरसिंह	
		(ग) कनक लता	(ঘ)	उपर्युक्त सभी	
9.	(i)	परीक्षा में असफल होने पर उसका गया।	रिक्त स	थान के लिए सटीक मुहावरा है –	1
		(क) चेहरा मुर्झाना	(평)	चक्कर खाना	
		(ग) सुध - बुध खोना	(ঘ)	नतमस्तक होना	
	(ii)	तुम्हारी कड़वी बातों से मेरे हो गए।			1
		(क) सिर फिरना	(碅)	जिगर के टुकड़े	
		(ग) आपे से बाहर	(ঘ)	नौ दो ग्यारह	
	(iii)	'हासिल करना', मुहावरे का अर्थ है -			1
		(क) तलाश करना	(평)	रहस्य निकालना	
		(ग) हथिया लेना	(ঘ)	प्राप्त करना	
	(iv)	'अंधे के हाथ बटेर', लोकोक्ति का उचित अर्थ है -	_		1
		(क) इच्छित वस्तु की प्राप्ती	(碅)	सफलता मिलते - मिलते बाधा	
		(ग) दूना लाभ	(ঘ)	संयोग से कोई वस्तु मिलना	

खंड 'ग'

10.	किसी	एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दी	जिए।		5
		मोर मुकुट पितांबर सोहै गल वैजन्ती माला।			
		बिन्दरावन में धेनु चरावै, मोहन मुरली वाला।।			
		ऊँचा - ऊँचा महल बणाँव, बिच - बिच राखू वारी	,		
		साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।।			
		आधी रात प्रभु दरसण दीज्यो, जमना जी रे तीरा।			
		मीराँ रा प्रभु गिरिधर नागर, हिवडो घड़ो अधीराँ।।			
	(i)	मीरा का मन अधीर क्यों है ?			1
		(क) अंधेरी रात के कारण	(평)	यमुना जल के कारण	
		(ग) कृष्ण से ना मिल पाने के कारण	(ঘ)	कृष्ण से मिलने की तीव्र इच्छा के कारण	
	(ii)	मीरा कृष्ण से किसरूप में मिलना चाहती है ?			1
		(क) सखी रूप में	(碅)	आराधिक का रूप में	
		(ग) पत्नी के रूप में	(ঘ)	राधा के रूप में	
	(iii)	कौन सा शब्द कृष्ण के लिए प्रयुक्त नहीं हुआ है ?)		1
		(क) मोहन	(碅)	मुरलीवाला	
		(ग) गिरीधर	(ঘ)	पीतांबर	
	(iv)	साँवरिया कौन है ?			1
		(क) मीरा का पति	(碅)	भगवान विष्णु	
		(ग) कृष्ण	(ঘ)	राम	
	(v)	मीरा कुसुम्बी साड़ी क्यों पहनना चाहती है ?			1
		(क) शौक के कारण		कृष्ण के प्रति प्रेम प्रगट करने के कारण	
		(ग) कृष्ण को प्रिय होने के कारण	(ঘ)	राधा का रूप धारण करने के कारण	

अथवा

हम घर जाल्या आपणा, लिया मुराड़ा हाथि। अब घर जालों तास का, जो चले हमारे साथि।। पोथी पढ़ि-पढ़ि जग सुआ, पंडित भया न कोई। एके अषिर पीव का पढ़े सु पंडित होई।।

		,			
((i)	'मुराड़ा' किसका प्रतीक है ?			1
		(क) ध्वंस का	(碅)	सर्वनाश का	
		(ग) परमात्मका का	(ঘ)	आत्मज्ञान का	
((ii)	पोथी पढ़ने में क्या व्यंग्य है -			1
		(क) रटना	(평)	बिना सोचे याद करना	
		(ग) बिना समझे पढ़ना	(ঘ)	पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करना	
((iii)	कवि किसका घर जलाना चाहते है -			1
		(क) जो अज्ञानी है	(평)	जो प्रभु को नहीं मानते	
		(ग) जो वैरागी है	(ঘ)	जो प्रभु को पाना चाहते हैं	
((iv)	कबीर किस पथ के पाथिक हैं?			1
		(क) आनंद पथ के	(碅)	प्रभु प्राप्ति के	
		(ग) सुख समृद्धि के	(ঘ)	उन्नति पथ के	
((v)	घर जलाने का आशय है -			1
		(क) सर्वनाश करना	(碅)	घर जला डालना	
		(ग) घुमक्कड़ बनना		(घ) सांसारिकता त्याग देना	

11. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप मे दीजिए।

2x2.5=5

- (क) कलकत्ता वासियों ने अपने माथे पर लगे कलंक को कैसे मिटाया ? डायरी का पन्ना पाठ के आधार पर बताइए।
- (ख) वामीरो कौन सा गीत गा रही थी, वह अपना गीत क्यों भूल गई ?
- (ग) वामीरो कैसे जीवन साथी की कल्पना करती थी ? उसकी यह कल्पना क्यों साकार नहीं हो पाती ?
- (घ) तीसरी कसम फिल्म के साथ कौन सा दुखद सत्य जुड़ा हुआ है ?

12. बड़े भाई की डाँट - फटकार अगर न मिलती तो क्या छोटा भाई कक्षा में अव्वल आता ? अपने विचार प्रकट कीजिए।

अथवा

लेखक के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है कि तीसरी कसम फिल्म को कोई सच्चा कवि हृदय व्यक्ति ही बना सकता है ?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

5

5

तीसरी कसम एक मात्र नहीं तो उन चन्द फिल्मों में से है जिन्होंने साहित्य रचना के साथ शत प्रतिशत न्याय किया है। शैलेन्द्र ने राजकपूर जैसे स्टार को हीरामन बना दिया। हीरामन पर राजकपूर हावी नहीं हो सका और छीट की सस्ती साड़ी में लिपटी हीराबाई नें वहीदा रहमान की प्रसिद्ध ऊँचाइयों को बहुत पीछे छोड़ दिया था। कजरी नीद के किनारे उकडू बैठा हीरामन जब गीता गाते हुए हीराबाई से पूछता है कि 'मन समझती है न आप'। तब हीराबाई जुबान से नहीं आँख से बोलती है। दुनिया भर के शब्द उस भाव को अभिव्यक्ति नहीं दे सकते। ऐसी ही सुक्षमताओं से स्पंदित थी फिल्म 'तीसरी कसम'।

(क) हीराबाई की कौन सी विशेषता उसे विशिष्ट बनाती है ?

2

2

- (ख) फिल्म तीसरी कसम अपनी किस विशेषता के कारण अन्य फिल्मों से विशिष्ट है ?
- 1

(ग) पाठ और लेखक का नाम लिखिए ?

अथवा

में तुम से पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा रहूँगा। मुझे दुनिया का और जिंदगी का जो तजुरबा है, तुम उसकी बराबरी नहीं कर सकते, चाहे तुम एम.ए., डी.फिल., डी. लिट. ही क्यों न हो जाओ। समझ किताब पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है। हमारी अम्मा नें कोई दरजा नहीं पास किया और दादा भी पाँचवी – छठवी जमात के आगे नहीं गए। लेकिन हम दोनों चाहें सारी दुनीया की विद्या पढ़ लें, अम्मा और दादा को हमें समझाने और सुधारनें का अधिकार हमेशा रहेगा। केवल इसलिए नहीं कि वे हमारे जन्म दाता हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें दुनिया का हमसे ज्यादा तजुरबा है।

(क) पाठ एवम् लेखक का नाम बताइए ?

1

(ख) इस गद्यांश में बडे भाइ-साहब क्या सिद्ध करना चाहते हैं?

2

(ग) अम्मा और दादा को क्या अधिकार प्राप्त है और क्यों ?

2

14. (क) कंपनी बाग में रखी तोप अपना परिचय किस प्रकार देती है ?

2

(ख) मीरा के पदों का प्रतिपाद्य क्या है ?

2

(ग) कस्तूरी मृग के उदाहरण द्वारा कबीर ने क्या स्पष्ट किया है ?

1

15. हरिहर काका की सहन शक्ति कब जवाब दे गई ? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए । अथवा हिरहर काका किन कारणों से गूंगेपन का शिकार हो गए थे ? कहानी के आधार पर बताइए।
16. ठाकुरबाड़ी की अपेक्षा गाँव का उतना विकास नहीं हो पाया। इसके पीछे क्या कारण रहे होंगे ?

खंड 'घ'

5

- 17. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।
 - (क) संयम ही सदाचार है -
 - शब्द से तात्पर्य
 - * सदाचारी कौन
 - * सदाचार और नैतिकता
 - * सदाचार के गुण
 - (ख) मँहगाई की मार
 - * निरंतर विकास की ओर
 - गरीबों पर कुप्रभाव
 - बच्चों की पढ़ाई पर प्रभाव
 - * नियंत्रण करना सरकार का कर्तव्य
 - (ग) बीता अवसर हाथ नहीं आता
 - * समय लौटता नही
 - * उचित समय का उचित लाभ लेना आवश्यक
 - कोई उदाहरण
- 18. सूखे की समस्या से जूझते लोगों की कठिनाइयों का वर्णन करते हुए किसी दैनिक पत्र के संपादक के नाम पत्र 5 लिखिए।

अथवा

अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर गंदगी को साफ करवाने की प्रार्थना कीजिए।

- o O o -